# अति कभी ना करना प्यारे

अति कभी ना करना प्यार है इति तेरी हो जाएगी ।
बिन पंखों के पंछी जैसे गति तेरी हो जाए ॥

अतिसुंदर की सीता मैया जिसके कारण हरण हुआ,
अति घमंडी था जो रावण जिसके कारण मरण हुआ ।
अति अभिमान कभी ना करना क्षति तेरी हो जाएगी ॥
बिन पंखों के...

अति वचन बोली पांचाली महाभारत का युद्ध हुआ,
अति दान देकर के राजा बलि भी बंधन युक्त हुआ ।
अति विश्वास कभी ना करना मती तेरी फिर जाएगी ॥
बिन पंखों के...

अति बलशाली सेना लेकर कौरव चकनाचूर हुए,
अति लालच वश जाने कितने सतकर्मो से दूर हुए ।
अति के पीछे हर्ष न दौड़ो अति अंत करवाएगी ॥
बिन पंखों के...

स्वर:गिरधर महाराज
रचना:हर्ष

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7686/title/ati-kabhi-na-karna-pyare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |